आयुर्वेद एवं कृषिवानिकी एक–दूसरे के सम्पूरक – डॉ. जी. बाबू
कृषिवानिकी संस्थान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

झाँसी 28 फरवरी, 2021। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में आज डॉ जी. बाबू, सहायक निदेशक, केन्द्रीय आयुर्वेद अनुसंधान, झाँसी के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। अपने मुख्य आतित्थ्य उद्‌बोधन में डॉ. बाबू ने कहा कि आयुर्वेद एवं कृषिवानिकी एक–दूसरे के सम्पूरक हैं क्योंकि दोनों पर्यावरण, भूमि संरक्षण तथा परती भूमि की बहाली में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। उन्होंने भारत सरकार के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के विषय ''विज्ञान तकनीकी एवं नवाचार का शिक्षा, कौशलता एवं कार्य में योगदान'' पर सभी का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विद्यालय के छात्र/छात्रायें झिझक के बिना विज्ञान विषय को पढ़े तथा उसको अपनी शिक्षा, कौशलता एवं कार्य में प्रयोगात्मक रूप से शामिल करें। उन्होंने ''विज्ञान आधारित कृषि'' विषय पर जोर देते हुये कहा कि खेती–बाड़ी में आद्युनिक तकनीकी एवं विज्ञान का उपयोग कर ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम की शुरूआत आई.सी.ए.आर. कुलगीत से हुई। डॉ. आर. पी. द्विवेदी, प्रधान वैज्ञानिक ने सभी का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्ता पर चर्चा करते हुये बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन सर सी.वी. रमन द्वारा रमन इफेक्ट के खोज की घोषणा के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है। उन्होंने सर सी.वी. रमन (नोबेल लॉरेट) की जीवनी एवं उनके वैज्ञानिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी को इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 28 फरवरी को सर सी.वी. रमन ने रमन इफेक्ट (रमन प्रभाव) की घोषणा की थी। सर सी.वी. रमन का जन्म 07 नवम्बर, 1888 को तमिलनाडु के तिरूवनैकोईल, त्रिचरापल्ली में हुआ था। वे भारतीय भौतिकी वैज्ञानिक थे जिनको कि सन् 1930 में भौतिक विज्ञान का नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया था। भारत सरकार ने उनको भारत रत्न पुरस्कार से नवाजा था। भारत सरकार ने सन् 1986 से 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की।

इस कार्यक्रम में पूर्व माध्यमिक विद्यालय ग्राम–छतपुर, ब्लॉक–बबीना, जिला–झाँसी के कक्षा 6 से 8वीं के 25 छात्र–छात्राओं ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें 16 बालिकायें तथा 9 बालकों उपस्थित रहे। **''पर्यावरण विषय''** पर **चित्रकला प्रतियोगिता** कराई गयी जिसमें मनीष अहिरवार कक्षा–6 को प्रथम पुरस्कार, नितिन प्रजापति कक्षा–7 को द्वितीय पुरस्कार, अंजली अहिरवार कक्षा–8 को तृतीय पुरस्कार तथा दीपक प्रजापति कक्षा–6 को सान्त्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार इन तीनों गाँवों में जो छात्र–छात्राये 10वीं एवं 12वीं की कक्षा के बाद आगे की पढ़ाई नहीं कर सके और गाँवों में रहते हैं उनके बीच **''विज्ञान–आधारित खेती''** विषय पर **निबन्ध प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। निबन्ध प्रतियोगिता में रमन कुमारी विश्वकर्मा को प्रथम पुरस्कार, लव कुश रजक को द्वितीय पुरस्कार, काजल यादव को तृतीय पुरस्कार तथा कपिल रजक को सान्त्वना पुरस्कार मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता की निर्णायक मण्डल में प्रधान अध्यापिका श्रीमती मंजू लता एवं सह अध्यापिका श्रीमती गीता आर्या एवं सोना मिश्रा नें महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। कार्यक्रम के आयोजन में ग्राम परासई के प्रगतिशील कृषक श्री कोमल सिंह यादव ने महत्वर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम में केन्द्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झाँसी के सहायक निदेशक (फार्मेसी) डॉ. वी. के. सरकार तथा संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, शोध छात्र– छात्रायें, यंग प्रोफेशनल्स एवं शोध सहायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के आयोजन में श्री एस.पी.एस. यादव एवं श्री राजेश श्रीवास्तव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आशा राम ने किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
विज्ञान आधारित कृषि
दिनाँक: 28 फरवरी, 2021
आयोजक : भाकृअनुप - केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
विज्ञान आधारित कृषि

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
विज्ञान आधारित कृषि

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
विज्ञान आधारित कृषि
दिनाँक: 28 फरवरी, 2021
आयोजक : भाकृअनुप - केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
विज्ञान आधारित कृषि